फिरोज़ाबाद के उद्योग परिदृष्य का होगा वृहद् रूपान्तरण

- **ताज ट्रेपेज़ियम ज़ोन के बाहर 400 एकड़ अनुपयोगी व बंजर भूमि में प्रस्तावित औद्योगिक क्षेत्र में जापानी निवेशक निवेश हेतु आमंत्रित**
- **आगरा–लखनऊ एक्सप्रेसवे के संरेखण के निकट 100 एकड़ भूमि में सूचना प्रोद्यौगिकी ज़ोन बनाने का प्रस्ताव**
- **तकनीक व कौशल के उच्चीकरण से 'फिरोज़ाबाद कांच ब्राण्ड' को बढ़ावा देने की जरूरतः *प्रमुख सचिव, अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास***

लखनऊ, 04 सितम्बर, 2013:

फिरोज़ाबाद अब ग्रेटर नोएडा की भांति ही बनेगा बड़ा औद्योगिक शहर। प्रमुख सचिव, अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास विभाग (आईआईडीडी), डॉ. सूर्य प्रताप सिंह ने दिल्ली में जापानी कम्पनियों के 50 सीईओ से भेंट कर उन्हें फिरोज़ाबाद में ताज ट्रेपेज़ियम ज़ोन के बाहर 400 एकड़ अनुपयोगी व बंजर भूमि में प्रस्तावित औद्योगिक क्षेत्र में निवेश हेतु आमंत्रित किया है।

डा. सूर्य प्रताप सिंह ने कहा– "फिरोज़ाबाद एवं आस–पास के क्षेत्र में प्रस्तावित तीव्रगामी परिवहन सुविधाओं के दृष्टिगत फिरोज़ाबाद ग्रेटर नोएडा का प्राकृतिक विस्तार होगा, क्योंकि यह यमुना एक्सप्रेसवे के निकट है तथा ईस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कोरीडोर (ईडीएफसी) फिरोज़ाबाद से गुजरेगा।"

उन्होंने कहा कि ईडीएफसी पर प्रस्तावित 6 स्टेषनों के चारों ओर 3 किमी के रेडियस में लॉजिस्टिक्स हब बनाए जाऐंगे जिससे यहां का औद्योगिक परिदृश्य बिल्कुल बदल जाएगा।

प्रमुख सचिव ने दिल्ली में किरगिज़तान के राजदूत से भी भेंट की जिसमें कन्नौज में रु800 करोड़ के निवेश से वोदका बनाने की प्रस्तावित इकाई हेतु तकनीक स्थानान्तरण में आसानी हो सके।

उ.प्र. राज्य औद्योगिक विकास निगम फिरोज़ाबाद में नये औद्योगिक क्षेत्र के लिए भूमि खरीदने को तैयार है तथा फिरोज़ाबाद की जिलाधिकारी संध्या सिंह ने जितना शीघ्र हो सकेगा उतनी जल्दी भूमि का प्रबन्ध करने का आश्वासन दिया है।

फिरोज़ाबाद में उद्यमियों से संवाद करते हुए प्रमुख सचिव, अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास, डा. सूर्य प्रताप सिंह ने औद्योगिक भूखण्डों की मांग पर कहा कि हम मिलकर यहां के औद्योगिक परिदृश्य को बदल सकते हैं, जिसके लिए आवश्यक भूमि 400 एकड़ भूमि पर औद्योगिक परिक्षेत्र विकसित करने की योजना से मिलेगी। अमृतसर–दिल्ली–कोलकता इण्डस्ट्रियल कोरीडोर के संरेखण पर फिरोज़ाबाद के स्थित होने से यहां बड़े औद्योगिक निवेश का असीम सम्भावनाएं उत्पन्न होंगी।

डा सिंह ने कहा कि ताज ट्रेपेज़ियम ज़ोन में 100 एकड़ भूमि पर प्रदूषणरहित आईटी ज़ोन विकसित करने की योजना से क्षेत्र में रोज़गार सृजन के साथ–साथ कौशल विकास भी होगा।

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा फिरोज़ाबाद के मशहूर कांच उद्योग को प्रोत्साहित करने के लिए सुलभ अवस्थापना सुविधाएं विकसित की जाएंगी। **प्रमुख सचिव, अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास विभाग (आईआईडीडी), डॉ. सूर्य प्रताप सिंह ने आज फिरोज़ाबाद में विभागीय समीक्षा बैठक के दौरान औद्योगिक विकास विभाग व स्थानीय प्रशासन के अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे जिले के कांच उद्योग व अन्य उद्योगों की समस्याओं का समय से निराकरण कर उन्हें प्रोत्साहित करें। उन्होंने उद्यमियों से उनकी समस्याएं सुनी और कुछ औद्योगिक इकाइयों का दौरा भी किया।**

फिरोज़ाबाद के लगभग 40 उद्यमियों से संवाद सत्र के दौरान डा. सिंह ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे उद्यमियों की समस्याओं के निराकरण के लिए स्वयं उनकी इकाइयों में जाएं। प्रमुख सचिव ने फिरोज़ाबाद स्थित कांच उद्योग हेतु स्थापित तकनीकी केन्द्र व कुछ कांच की फैक्टरियों का निरीक्षण भी किया।

उद्योगपतियों को सम्बोधित करते हुए प्रमुख सचिव, आईआईडीडी, डॉ. सूर्य प्रताप सिंह ने कहा– "उत्तर प्रदेश हस्तशिल्प के निर्यात में अग्रणी स्थान रखता है और फिरोज़ाबाद के कांच के हस्तशिल्प का इसमें महत्वपूर्ण भाग होता है।"

उन्होंने कहा– "हम सबको मिलकर फिरोज़ाबाद के कांच उद्योग की ब्राण्ड को और बढ़ावा देना होगा जिसके लिए तकनीक व कौशल उच्चीकरण कर उत्पाद का मूल्य संवर्धन आवष्यक है। राज्य सरकार प्रदेश में औद्योगिक विकास कर समग्र सामाजिक एवं आर्थिक विकास पर विशेष ध्यान दे रही है, इसीलिए मैं आपके बीच हूँ।"'

फिरोज़ाबाद का नाम मुगलकाल के मनसबदार फिरोज़ शाह के नाम पड़ा था। यह जिला अपने कांच के उत्पादों व हस्तशिल्पों के लिए विश्वविख्यात है। इस समय यहां 92 औद्योगिक इकाइयों में उत्पादन हो रहा है, जो जिले के पांच औद्योगिक क्षेत्रों, यथा– फिरोज़ाबाद, शिकोहाबाद, उसैनी, टुण्डला तथा जलेसर रोड में स्थापित हैं। लगभग 92 हेक्टेयर विकसित भूमि उद्योगों को आवंटित है।

औद्योगिक क्षेत्रों के अलावा 7874 पंजीकृत इकाइयों में केवल 10 इकाइयां वृहद् तथा मध्यम श्रेणी हैं, शेष सभी सूक्ष्म उद्योग हैं, जिनमें लगभग रु 383 करोड़ का निवेश है तथा 50,000 लोगों को रोज़गार मिला हुआ है।

उद्यमियों द्वारा जिन समस्याओं को उठाया गया उनमें प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से अनापत्ति, प्रक्रियात्मक अड़चने तथा वैट से संबंधित मुद्दे मुख्य थे। यह निर्णय लिया गया कि फिरोज़ाबाद के कांच उद्योग के प्रोत्साहन के लिए इस प्रकरणों को उद्योग बन्धु में लाया जाए जिससे नीतिगत निर्णय हो सकें।

सूचित किया गया कि गेल द्वारा कांच की इकाइयों को प्राकृतिक गैस की आपूर्ति मिलने से उत्पादन तथा गुणवत्ता में काफी सुधार आया है, साथ ही समय व मूल्य की बचत भी होती है। ज्ञात हो कि मा. सर्वोच्च न्यायालय के अदेशानुसार कोयला आधारित इकाइयों को बन्द करना पड़ा था तथा अब केवल गैस से संचालित इकाइयां ही उत्पादन कर रही हैं।

फिरोज़ाबाद में 85 निर्यातक इकाइयां जिला उद्योग केन्द्र तथा निर्यात प्रोत्साहन ब्यूरो में पंजीकृत हैं। गत् 5 वर्षों के दौरान कुल रु 803.65 करोड़ का निर्यात हुआ, जबकि वित्तीय वर्ष 2012–13 में रु 210.55 करोड़ तथा वित्तीय वर्ष 2009–10 एवं 2010–2011 में क्रमषः रु 160.2 करोड़ एवं रु 200.24 करोड़ का निर्यात हुआ।